

उत्तर प्रदेश की अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिये

जाति प्रमाण पत्र का प्रारूप

राजस्व निरोधक क्षेत्र - पानक ७३७ की जांच आख्या दिनांक - 1-8-9 के आधार पर

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी - बुद्धाम लक्ष्मी सिंह

मुपुत्र/मुपुत्री/श्री - नरेश सिंह - निवासी ग्राम/मौ० चिडिया टीला जहादाबाद

तहसील मुरादाबाद, नगर मुरादाबाद, जिला मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश राज्य की - संखरीक

जाति के हैं, जिसे संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश १९५०) जंसा की समय-समय पर संशोधित हुआ

है संविधान अनुसूचित जनजाति, उत्तर प्रदेश आदेश १९६७ के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता दी गई है।

श्री/श्रीमती/कुमारी - बुद्धाम लक्ष्मी सिंह तथा अथवा उनका परिवार
उत्तर प्रदेश के ग्राम/मौ० चिडिया टीला जहादाबाद

जिसे पुराना जवाब में सामान्यता रहता है।

संख्या:

दिनांक :

तहसीलदार

मुरादाबाद

मुरादाबाद

श्रीमानजी

जहाँ ब्रह्मचर्य सिद्ध हुई की गच्छ सिद्ध मी - विदित हो
लक्षणाद मुद्राकार का किया है। जहाँ के प्रकीर्ण - वरु की जाने में पात्र
गच्छ है। कि जहाँ जाने से लीक है। जहाँ के किता का जालिपात्र
का ही काम जालिपात्र संख्या है। निम्न उपा के प्रेषित है।

रविन्द्र सिंह गौरी
नेपाल

देश प्रजापति निवासी
बहु - मण्डल

पत्र

पत्र

१७